भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3185

दिनांक 18 दिसंबर, 2025 को उत्तरार्थ

.....

अटल भूजल योजना के अंतर्गत दक्षिण कन्नड़ को शामिल करना

3185. कैप्टन बृजेश चौटाः

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को कर्नाटक सरकार से दक्षिण कन्नड़ जिले को अटल भूजल योजना के अंतर्गत शामिल करने के लिए कोई प्रस्ताव अथवा सिफारिश प्राप्त हुई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसमें किन तालुकों या ग्राम पंचायतों को शामिल करने का प्रस्ताव है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार ने मंगलौर और दक्षिण कन्नड़ जिले के अन्य भागों में जल की कमी या पेयजल स्रोतों में कमी के कारणों का पता लगाने के लिए हाल ही में कोई सर्वेक्षण या अध्ययन कराया है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और मुख्य निष्कर्ष क्या हैं; और

(ङ) दक्षिण कन्नड़ जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत में भूजल स्तर की वर्तमान स्थिति क्या है तथा वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक देखे गए परिवर्तनों का तुलनात्मक आंकड़ा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री
(श्री राज भूषण चौधरी)

(क) और (ख): अटल भूजल योजना भागीदारी भूजल प्रबंधन के लिए सामुदायिक नेतृत्व वाली एक पायलट (प्रायोगिक) योजना थी। इसका कार्यान्वयन सात राज्यों अर्थात गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के 80 जिलों के 229 ब्लॉकों की 8,203 जल की अत्यधिक कमी वाले ग्राम पंचायतों के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में किया गया था।

इस योजना का कार्यान्वयन कर्नाटक के 14 जिलों के 41 अति दोहित तालुकों की 1199 ग्राम पंचायतों में किया गया था। इनमे दक्षिण कन्नड़ जिला शामिल नहीं था। इस योजना से कार्यान्वित क्षेत्र में भूजल प्रबंधन में उल्लेखनीय सुधार आया है और इससे मापन हेतु प्रभावी सुविधा प्राप्त हुई है। हालाँकि, यह भी उल्लेखनीय है कि अटल भूजल योजना की परिकल्पना एक निश्चित अवधि और परिव्यय सहित पायलट योजना के रूप में की गई थी और इस योजना का कार्यकाल समाप्त हो चुका है।

(ग) और (घ): केंद्रीय भूमि जल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) और राज्य सरकारों द्वारा संयुक्त रूप से कर्नाटक राज्य सहित देश के डॉयनेमिक भूजल संसाधनों का वार्षिक रूप से आकलन किया जा रहा है। वर्ष 2025 के नवीनतम आकलन के अनुसार, दक्षिण कन्नड़ जिले के लिए, जिसका मुख्य शहर मैंगलोर है, कुल वार्षिक भूजल पुनर्भरण 73,327 हेक्टेयर मीटर है और वार्षिक निष्कर्षण योग्य भूजल संसाधन 65,995 हे.मी. है। वर्ष 2025 के लिए पूरे जिले के कुल वार्षिक भूजल निष्कर्षण का आकलन 30,166 हे.मी. के रूप में किया गया है। पूरे जिले के लिए भूजल निष्कर्षण का स्तर (एसओई) 45.71% मापा गया है, यह वार्षिक निष्कर्षण योग्य भूजल संसाधन की तुलना में सभी उपयोगों (सिंचाई, औद्योगिक और घरेलू उपयोग) के लिए वार्षिक भूजल निष्कर्षण का एक माप है। यह 'सुरक्षित' श्रेणी के अंतर्गत वर्गीकृत है।

इसके अतिरिक्त दक्षिण कन्नड़ जिले के सभी 9 आकलन इकाइयों (तालुकों) को "सुरक्षित" श्रेणी में रखा गया है।

यद्यपि, आकलन से अनुकूल आंकड़ों के प्राप्त होने के बावजूद, उच्च जनसंख्या घनत्व, तीव्र शहरीकरण और औद्योगीकरण, जलवायु परिवर्तन आदि जैसे विभिन्न कारकों के कारण कुछ पॉकेट्स में मौसमी भूजल संकट की स्थिति सामने आई है।

(ङ): केंद्रीय भूमि जल बोर्ड द्वारा कर्नाटक राज्य के दक्षिण कन्नड़ जिले सहित पूरे देश में अपने मॉनिटरिंग स्टेशनों के नेटवर्क के माध्यम से वर्ष में चार बार भूजल स्तर की मॉनिटरिंग की जाती है। मॉनिटरिंग ग्राम पंचायत स्तर पर नहीं किए जाते हैं। दक्षिण कन्नड़ जिले के लिए मानसून पश्चात 2024 के दौरान मापे गए भूजल स्तर के ब्लॉक-वार आंकड़े **अनुलग्नक-I** में दिए गए हैं। यह दर्शाता है कि विश्लेषण किए गए कुओं में से लगभग 95% कुओं का जल स्तर, भूतल से 0 से 10 मीटर नीचे (एमबीजीएल) के मध्य हैं, यह भूजल की सुलभ उपलब्धता का संकेत है।

इसके अतिरिक्त, भूजल स्तर में दीर्घकालिक उतार-चढ़ाव का आकलन करने के लिए, मानसून पश्चात 2024 के भूजल स्तर के आंकड़ों की तुलना, पिछले पांच वर्षों, अर्थात नवंबर 2020-2024 के औसत जल स्तर के आंकड़ों से की गई है, इसे **अनुलग्नक-II** में प्रस्तुत किया गया है। इन आंकड़ों का विश्लेषण यह दर्शाता है कि मॉनिटरिंग किए गए कुओं में से लगभग 86% कूपों के जलस्तर में, पिछले 5 वर्षों के औसत की तुलना में वर्ष 2024 में वृद्धि हुई है।

*****

अनुलग्नक-I

"अटल भूजल योजना के अंतर्गत दक्षिण कन्नड़ जिले को शामिल करना" के संबंध में दिनांक 18.12.2025 को लोकसभा में उत्तर के लिए देय अतारांकित प्रश्न संख्या 3185 के भाग (ड़) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में मानसून-पश्चात वर्ष 2024 के दौरान प्रतिशत प्रेक्षण कुओं (अपरिरुद्ध जलभृत) के जल स्तर की गहराई का ब्लॉक-वार वितरण

क्र. सं	ब्लॉक का नाम	विश्लेषण किए गए कूपों की संख्या	जल स्तर की गहराई (एमबीजीएल) दर्शाने वाले कुओं की संख्या/प्रतिशत											
			0 से 2		2 से 5		5 से 10		10 से 20		20 से 40		> 40	
			संख्या	%	संख्या	%	संख्या	%	संख्या	%	संख्या	%	संख्या	%
1	बंटवाल	16	0	0.0	10	62.5	6	37.5	0	0.0	0	0.0	0	0.0
2	बेलटांगडी	16	1	6.3	6	37.5	9	56.3	0	0.0	0	0.0	0	0.0
3	कडबा	15	4	26.7	5	33.3	6	40.0	0	0.0	0	0.0	0	0.0
4	मंगलुरु/मैंगलोर	27	4	14.8	7	25.9	12	44.4	4	14.8	0	0.0	0	0.0
5	मुदुबिदारे	4	1	25.0	0	0.0	3	75.0	0	0.0	0	0.0	0	0.0
6	पुत्तूर	5	0	0.0	1	20.0	4	80.0	0	0.0	0	0.0	0	0.0
7	सुल्या	8	2	25.0	2	25.0	3	37.5	1	12.5	0	0.0	0	0.0
	कुल	**91**	**12**	**13.2**	**31**	**34.1**	**43**	**47.3**	**5**	**5.4**	**0**	**0.0**	**0**	**0.0**

अनुलग्नक-II

"अटल भूजल योजना के अंतर्गत दक्षिण कन्नड़ को शामिल करना" के संबंध में दिनांक 18.12.2025 को लोकसभा में उत्तर के लिए देय अतारांकित प्रश्न संख्या 3185 के भाग (ड़) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले का (मानसून-पश्चात वर्ष 2020 से वर्ष 2023) की औसत और मानसून-पश्चात वर्ष 2024 (अपरिरुद्ध जलभृत) के साथ जल स्तर में उतार-चढ़ाव (मीटर में) का ब्लॉक-वार विवरण

क्रम संख्या	ब्लॉक का नाम	विश्लेषण किए गए कूपों की संख्या	जल स्तर की गहराई (एमबीजीएल) दर्शाने वाले कुओं की संख्या/प्रतिशत													
			वृद्धि								गिरावट					
			0 से 2		2 से 4		> 4		संचयी वृद्धि	संचयी वृद्धि %	0 से 2		2 से 4		> 4		संचयी गिरावट	संचयी गिरावट %
1	बंटवाल	16	14	87.5	0	0	0	0	14	87.50%	2	12.5	0	0	0	0	2	12.50%
2	बेलटांगडी	14	12	85.7	1	7.1	0	0	13	92.86%	0	0	1	7.1	0	0	1	7.14%
3	कडबा	15	10	66.7	2	13.3	1	6.7	13	86.67%	2	13.3	0	0	0	0	2	13.33%
4	मंगलुरु/मैंगलोर	26	19	73.1	0	0	1	3.8	20	76.92%	6	23.1	0	0	0	0	6	23.08%
5	मुदुबिदारे	3	3	100	0	0	0	0	3	100.00%	0	0	0	0	0	0	0	0.00%
6	पुत्तूर	5	4	80	0	0	0	0	4	80.00%	1	20	0	0	0	0	1	20.00%
7	सुल्या	8	8	100	0	0	0	0	8	100.00%	0	0	0	0	0	0	0	0.00%
	कुल	**87**	**70**	**80.5**	**3**	**3.4**	**2**	**2.3**	**75**	**86.21%**	**11**	**12.6**	**1**	**1.1**	**0**	**0**	**12**	**13.79%**

*****